लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

नमूना रिपोर्ट · काल्पनिक व्यक्ति

आरव शर्मा की विवाह रिपोर्ट

बलवान शनि के स्वामित्व वाला कुंभ सप्तम भाव, सामंजस्य खोजता तुला का चंद्रमा, और 2027 से शनि महादशा जो स्वयं विवाह भाव को सक्रिय करती है।

जन्म	स्थान	लग्न	राशि · नक्षत्र
15 अगस्त 1991, 06:40	Jaipur, Rajasthan, India	सिंह	तुला · चित्रा 3

इस रिपोर्ट में

01 आप साथी में क्या खोजते हैं

02 सातवाँ भाव और उसके स्वामी

03 शुक्र और नवांश

04 मांगलिक दोष और मिलान

05 समय: दशाएँ और गोचर

06 विवाह को सफल बनाना

07 पारंपरिक उपाय

08 यह रिपोर्ट कैसे बनी

01 आप साथी में क्या खोजते हैं

आरव, विवाह की रीडिंग आपसे शुरू होती है: प्रेम महसूस करने के लिए आपको क्या चाहिए और आप साझेदारी में क्या लाते हैं। आपका लग्न, आपका चंद्रमा और आपके शुक्र मिलकर इसका उत्तर देते हैं।

सिंह का हृदय, तुला का मन

आपका लग्न सिंह है, जिसमें चार ग्रह उदित हैं: मंगल, बुध, गुरु और शुक्र। संबंधों में आप गर्मजोशी भरे, वफ़ादार, उदार और रक्षा करने वाले हैं, और आपको अपने साथी और अपने घर पर गर्व करना अच्छा लगता है। आपको सराहे जाने की भी ज़रूरत है; उदासीनता आपको खुले मतभेद से अधिक चोट पहुँचाती है।

आपका चंद्रमा तुला में, चित्रा नक्षत्र में है, जो स्वयं संतुलन और साझेदारी की राशि है। भावनात्मक रूप से आपको घर में निष्पक्षता, सौंदर्य और सामंजस्य चाहिए, और कलह आपको अस्थिर करती है। तुला का चंद्रमा अक्सर ऐसे व्यक्ति को दिखाता है जो जोड़ी का हिस्सा होकर सबसे अधिक स्वयं जैसा महसूस करता है।

आपके लग्न में शुक्र

प्रेम और आकर्षण के ग्रह, आपके शुक्र, सिंह में आपके पहले भाव में, वक्री, स्वाभाविक शत्रु की राशि में बैठे हैं। लग्न में शुक्र आकर्षण और शैली व रुचि की प्रबल निजी समझ देते हैं। वक्री शुक्र प्रेम में चुनिंदा और निर्णय पर पहुँचने में धीमे होते हैं, लगन से जुड़े होने से पहले चुनाव पर फिर विचार करते हैं। लगन से जुड़े होने के बाद वे गहराई से वफ़ादार होते हैं।

> ✦ सिंह लग्न, तुला का चंद्रमा, उदित शुक्र: गर्मजोशी और वफ़ादारी, सामंजस्य की ज़रूरत, और साथी का सोच-समझकर चुनाव।

02 सातवाँ भाव और उसके स्वामी

सातवाँ भाव, कलत्र भाव, विवाह और साझेदारी का शास्त्रीय भाव है।

सप्तम भाव में कुंभ

आपका सातवाँ भाव कुंभ है, शनि के स्वामित्व वाली वायु राशि, और उसमें कोई ग्रह नहीं है। कुंभ ऐसे साथी का वर्णन करता है जो स्वतंत्र, विचारशील, सिद्धांतवादी और थोड़ा अलग हो: जो साथी जितना ही मित्र भी हो, और जिसका अपना जीवन और मकसद हो।

इसका सर्वाष्टकवर्ग अंक 19 है, जो 25 की पारंपरिक सुविधा-रेखा से नीचे है। इसका अर्थ यह नहीं कि विवाह कठिन है, बल्कि यह कि वह सचेत ध्यान माँगता है: साझेदारी आसानी से नहीं, धैर्य, संवाद और समय से बढ़ती है। आपकी जैसी कुंडलियों में सबसे स्थिर विवाह अक्सर तब होते हैं जब दोनों लोग रिश्ते को साथ मिलकर बनाई जाने वाली चीज़ मानते हैं।

छठे भाव में आपके सप्तमेश

आपके सातवें भाव के स्वामी शनि मकर में, अपनी राशि में, आपके छठे भाव में बैठे हैं। रोज़ के काम और सेवा के भाव में विवाह के स्वामी साझा दिनचर्या और व्यावहारिक साथ पर बनी साझेदारी का संकेत देते हैं; आप अपने साथी से काम या सेवा के माध्यम से मिल सकते हैं, और आपका विवाह ऐसा होने की संभावना है जिसमें दोनों लोग वास्तविक ज़िम्मेदारियाँ उठाते हैं।

क्योंकि शनि बलवान और गरिमापूर्ण हैं, इसलिए परंपरा में आपके विवाह भाव के वादे को अच्छा सहारा मिला माना जाता है, भले ही उसका अंक कम है। शनि को परंपरागत रूप से ऐसी लगन से जोड़ा जाता है जो धीरे आती है और एक बार बनने पर प्रायः टिकी रहती है।

> ✦ सप्तमेश शनि अपनी राशि में बलवान: परंपरा में साझेदारी के प्रति धीमा, गंभीर और टिकाऊ झुकाव माना जाता है।

03 शुक्र और नवांश

नवांश (D9) वह कुंडली है जिसे पराशर विवाह और साझेदारी के भीतरी जीवन के लिए समर्पित करते हैं।

आपका नवांश

आपका नवांश लग्न वृषभ है, शुक्र के स्वामित्व वाली स्थिर पृथ्वी राशि। आपके अग्निमय सिंह बाहरी रूप के नीचे, आपका वह हिस्सा जो विवाह के भीतर जीता है, सुरक्षा, वफ़ादारी, सुख और धैर्य को महत्व देता है।

नवांश में आपके शुक्र कर्क में बैठे हैं, जो देखभाल और रक्षा करने वाली राशि है, और आपका चंद्रमा तुला में ही रहता है। दोनों ऐसे प्रेम का वर्णन करते हैं जो बड़े भाव-प्रदर्शन से अधिक देखभाल, ध्यान और साझा घरेलू जीवन से व्यक्त होता है। नवांश का सातवाँ भाव वृश्चिक है, जहाँ नवांश के मंगल और राहु बैठे हैं: गहराई और तीव्रता वाली साझेदारी, और ऐसा साथी जो अलग पृष्ठभूमि से हो या अनोखी राह पर चलता हो।

04 मांगलिक दोष और मिलान

हल्का मांगलिक दोष

लग्न से गिनें तो आपके मंगल आपके पहले भाव में हैं, जिससे मांगलिक दोष बनता है, पर चंद्रमा से गिनें तो नहीं, जहाँ वे ग्यारहवें स्थान में हैं। ज़्यादातर परंपराएँ इसे हल्का रूप मानती हैं। आपके मंगल के पास सिंह में गुरु बैठे हैं, जिसे बहुत-सी परंपराएँ कोमल करने वाला प्रबल कारण मानती हैं।

मिलान में, जब दोनों साथी मांगलिक हों तो दोष संतुलित हो जाता है, इसलिए किसी भी मांगलिक दोष वाला साथी शास्त्रीय नियम से आपके दोष को संतुलित करता है। दोष से आगे, ऐसे साथी को देखें जिसकी कुंडली आपके विवाह भाव का साथ दे: शनि या बुध के प्रबल विषय, वायु या पृथ्वी राशि का चंद्रमा, और अच्छा गुण मिलान, सब साथ पढ़े हुए।

05 समय: दशाएँ और गोचर

कोई कुंडली पहले से विवाह की तिथि तय नहीं करती। वह जो दिखाती है, वे काल हैं जो परंपरा में लगन के अनुकूल माने जाते हैं।

शनि महादशा, 26 अगस्त 2027 से

आप 26 अगस्त 2027 तक राहु अंतर्दशा के साथ गुरु महादशा में हैं। उस दिन आपकी उन्नीस वर्ष की शनि महादशा शुरू होती है, और शनि आपके सातवें भाव के स्वामी हैं। सप्तमेश की महादशा विवाह और दीर्घकालिक साझेदारी का शास्त्रीय काल है, और आपकी कुंडली में शनि के बलवान होने से इन वर्षों में ली गई प्रतिबद्धताएँ टिकती हैं।

इसके भीतर शनि–शनि अगस्त 2030 तक चलती है और शनि–शुक्र, प्रेम के ग्रह की अंतर्दशा, जून 2034 से अगस्त 2037 तक। दोनों परंपरा में लगन और मौजूदा विवाह को गहरा करने के प्रबल काल हैं।

> ✦ अगस्त 2027 से आपके सप्तमेश की महादशा: विवाह और टिकाऊ साझेदारी का शास्त्रीय काल।

अगले दो वर्षों का आकाश

गोचर में गुरु 31 अक्टूबर 2026 को सिंह, आपके लग्न, में प्रवेश करते हैं, जनवरी से जून 2027 तक वापस कर्क में जाते हैं, और नवंबर 2027 तक सिंह में लौटते हैं। लग्न पर गुरु का गोचर परंपरा में आत्मविश्वास, दृश्यता और बड़ों व मार्गदर्शकों का साथ लाता है, और वहाँ से उसकी दृष्टि आपके विवाह भाव तक पहुँचती है: संबंधों के लिए मददगार संकेत।

गोचर में राहु 5 दिसंबर 2026 तक कुंभ, आपके सातवें भाव, से गुज़रते हैं, जिससे संबंध अस्थिर या असामान्य लग सकते हैं; फिर वे आगे बढ़ते हैं और भाव शांत हो जाता है।

06 विवाह को सफल बनाना

आपकी कुंडली आपसे क्या माँगती है

आपके तुला के चंद्रमा को सामंजस्य चाहिए और आपके सिंह लग्न को सराहना; आपके साथी को स्वतंत्रता और अपने काम व विचारों का सम्मान चाहिए होने की संभावना है। यह मेल तब सुंदर चलता है जब स्नेह खुलकर कहा जाए और जब आप दोनों के पास अपनी-अपनी रुचियों की जगह हो।

क्योंकि आपके सप्तमेश रोज़ की दिनचर्या के भाव में हैं, इसलिए बड़े मौकों से अधिक छोटी साझा आदतें मायने रखती हैं: साथ में नियमित भोजन, हर सप्ताह फ़ोन के बिना एक इत्मीनान भरी बातचीत, और व्यावहारिक भार का उचित बँटवारा। लग्न में हल्के मांगलिक दोष के साथ, पहले से तय कर लें कि मतभेद कैसे सुलझाएँगे, और कोई निर्णय लेने से पहले उन्हें ठंडा होने दें।

07 पारंपरिक उपाय

शनि और शुक्र के लिए

क्योंकि शनि आपके सातवें भाव के स्वामी हैं, इसलिए शनिवार के शास्त्रीय अभ्यास आपके लिए विवाह के भी अभ्यास हैं: तिल के तेल का दीपक जलाना, शनि स्तोत्र का पाठ, और बड़ों व कठिन शारीरिक श्रम करने वालों की सेवा। शुक्र के लिए शुक्रवार का दिन है: साफ़ सफ़ेद या हल्के रंग के कपड़े पहनना, घर को सुंदर और व्यवस्थित रखना, और महिलाओं या कलाओं का साथ देने वाले कार्यों में दान।

साथ में शिव–पार्वती मंदिर जाना, या शाम को साथ दीपक जलाने जैसा कोई छोटा साझा अभ्यास रखना, दो स्वभावों को एक लय में लाने का पारंपरिक तरीका है।

08 यह रिपोर्ट कैसे बनी

हर स्थिति की गणना iAstroGuru Engine ने की है, लाहिड़ी अयनांश, संपूर्ण राशि भाव, विंशोत्तरी दशा और नवांश (D9) के साथ।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले कुंडली से अपने आप मिलाकर जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है; कोई कुंडली विवाह या उसकी तिथि का वादा नहीं कर सकती, और यहाँ कुछ भी कानूनी, चिकित्सीय या पैसे संबंधी सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।
इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।

Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)
Digitally signed on 10 Oct 2026, 02:57 IST
Document ID IAG-5EGD-DM66-FDDA